

E-Learning Study Material

By - Prof (Dr.) YADWENDRA SINGH

Subject - Economics

MAHARAJA COLLEGE, ARA

V.K.S. UNIVERSITY, ARA, BIHAR

B.A. Economics Honours First Year

Q. Explain the Theory of Multiplier.

The Concept of Multiplier :- "The Theory of Multiplier occupies an important place in the modern theory of income and employment. The essence of Multiplier is that total increase in income, output or employment is manifold the original increase in investment."

~~विश्व~~ गुणक (Multiplier) का सिद्धान्त आम और रोजगार के आधुनिक सिद्धान्त में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। गुणक की अवधारणा को सबसे पहले 1930 के दशक की शुरुआत में एफ ए कार्डन द्वारा विकसित किया गया था लेकिन बाद में किन्स ने इसे और परिष्कृत किया कर दिया। एफ ए कार्डन ने निवेश और रोजगार में शुरुआती वृद्धि के परिणामस्वरूप, रोजगार वृद्धि के साथ साथ उत्पन्न, अ उत्पन्न के संघर्ष गुणक की अवधारणा विकसित की।

हालांकि किन्स और कुल आय में वृद्धि, उत्पन्न और अ उत्पन्न के साथ साथ निवेश और आय में मूल वृद्धि के संघर्ष में गुणक की अवधारणा को प्रतिपादित किया। इसलिए एफ ए कार्डन के गुणक को 'रोजगार गुणक' के रूप में जाना जाता है, किन्स के गुणक को

या आय गुणक के रूप में जाना जाता है।
 गुणक का रोल यह है कि आय, उत्पाद या
 रोजगार में कुल वृद्धि निवेश में प्रत्यक्ष वृद्धि कई गुणा
 है। उदाहरण के लिए यदि 100 करोड़ रुपये के बराबर Investment
 की जाती है तो आय (Income) 100 करोड़ रुपये के बराबर नहीं बढ़ती बल्कि यह गुणक
 के रूप में बढ़ेगी। इसे निम्न विज्ञापन की सहायता
 से और अधिक स्पष्ट रूप से समझा जा सकता
 है—

विज्ञापन :

यदि 100 करोड़ रुपये के निवेश के
 राष्ट्रीय आय 300 करोड़ रुपये बढ़ जाती है तो
 गुणक 3 के बराबर माना जाएगा। यदि
 यदि 100 करोड़ रुपये के निवेश (Investment)
 के परिणामस्वरूप कुल राष्ट्रीय आय के
 (National Income) 400 करोड़ रुपये बढ़
 जाती है तो गुणक (Multiplier) 4 गुणक
 के बराबर होगा। अतः गुणक-आय में वृद्धि
 का निवेश की तुलना में कितना गुणा वृद्धि
 होता है गुणक कहलाता है। (The Multiplier
 is therefore the ratio of increment
 in income to the increment in
 investment.)

यदि AVI निवेश में वृद्धि के लिए खर्चा है और आप में परिणामी वृद्धि के लिए खर्चा है तो गुणक निवेश में आप में वृद्धि $0Y$ में वृद्धि के अनुपात के बराबर है $0I$ । इसलिए $K = \frac{I}{\Delta I}$ जहाँ K गुणक के लिए खर्चा है।

अब जबल यह है कि आप में वृद्धि निवेश में शुरूआती वृद्धि से कई गुना अधिक है। इसकी समझना आसान है। मानलियिए कि सरकार ग्रामीण लड़कों जैसे कार्वजतिक कामों पर 100 करोड़ खर्च करती है।

इसके लिए सरकार निर्माण कार्य में लगे हुए मजदूरों को मजदूरी का भुगतान करेगी, विभिन्न सामग्रियों के आपूर्तिकर्ताओं को लगानों की कीमतें मुकादेगी (Payment) तथा अन्य घटकों को उनकी विभिन्न सेवाओं के बदले जो लड़क निर्माण में योगदान के फलस्वरूप देय है का भुगतान करेगी। माना कि पहले लोगों की आय 100 करोड़ खर्च की जायेगी। इस आय के ~~केवल~~ को लोग ~~उपभोग~~ उपभोगा बस्तुओं पर खर्च करेंगे। मानलियिए कि लोगों की खर्च के लिए सीमांत प्रवृत्ति $4/5$ या 80% है तो लोग उपभोगा बस्तुओं पर 80 करोड़ खर्च करेंगे जिससे विभिन्न उपभोगा बस्तुओं की आपूर्तिकर्ताओं को 80 करोड़ खर्च के बराबर आय में वृद्धि होगी लेकिन जिन्हें यह 80 करोड़ खर्च मिला वे भी इसके इतने अपने Marginal propensity

to Consume (उपभोग की क्षमता प्रवृत्ति) के अनुसार अपनी आय को खर्च करेंगे मात्रा कि उतका म

Propensity to Consume $4/5$ है तो वे उपभोग लाभ ग्रिपों ~~का~~ पर 64 करोड़ रुपये खर्च करेंगे

इसमें ~~मूल~~ दुले लोगों की आय 64 करोड़ बढ़ेगी और Consumption Expenditure की श्रृंखला (Chain) आगे बढ़ती जायेगी। लेकिन

प्रत्येक ~~उपभोग~~ आय में होनेवाली वृद्धि घटने क्रम में होगी जब तक उतकी बचत ^{Saving} की मात्रा। इस प्रकार हमने देखा कि ^{केवल} 100 करोड़ रुपये

के मात्र की आय नहीं बढ़ती है ब्रिले ~~प्रारंभिक~~ प्रारंभिक पर निवेश किया जाता है ब्रिले रोड का निर्माण कार्य सम्पन्न होता है ब्रिले कई बार इसे विनिर्माण में लगाया जाता है जब तक कि इतकी बचत (Saving) के रूप में संनित्र न किया जाय।

निवेश गुणक की व्युत्पत्ति : निवेश में प्रारंभिक वृद्धि के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय में कितनी वृद्धि होती है ब्रिले हम निम्न समीकरण है व्युत्पत्ति कर सकते हैं -

IF ΔY stands for increase in income
 ΔI stands ~~for~~ for increase in investment
 and MPC for marginal propensity
 to Consume, we can write the
 equation as follows :

$$\Delta Y = \Delta I \cdot \frac{1}{1 - MPC}$$

$$\Delta Y / \Delta I = \frac{1}{1 - MPC}$$

$\Delta Y / \Delta I$ measures the size of the Multiplier.
 Therefore, size of Multiplier or $K = \frac{1}{1 - MPC}$